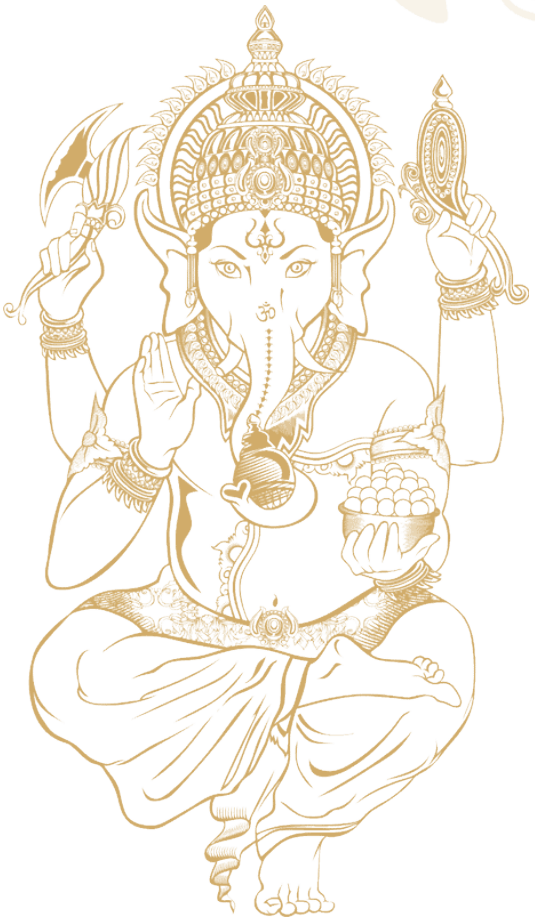

Jitesh

Trupti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121321902

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
30/06/1999	जन्म तिथि	04/03/2002
बुधवार	दिन	सोमवार
घंटे 23:45:00	जन्म समय	09:30:00 घंटे
घटी 44:49:31	जन्म समय(घटी)	06:50:03 घटी
India	देश	India
Jalgaon	स्थान	Jalgaon
21:01:00 उत्तर	अक्षांश	21:01:00 उत्तर
75:39:00 पूर्व	रेखांश	75:39:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:27:24	स्थानिक संस्कार	-00:27:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:49:11	सूर्योदय	06:45:58
19:12:33	सूर्यास्त	18:32:41
23:50:48	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:58

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 1वर्ष 11मा 22दि	03:14:13	मीन	लग्न	मेष	10:55:46	गुरु 8वर्ष 11मा 28दि
राहु	14:40:22	मिथु	सूर्य	कुंभ	19:30:42	शनि
23/06/2018	05:36:07	मक	चंद्र	तुला	25:50:17	02/03/2011
22/06/2036	04:46:28	तुला	मंगल	मेष	07:54:52	02/03/2030
राहु 05/03/2021	10:07:50	कर्क	बुध	मक	24:54:09	शनि 05/03/2014
गुरु 29/07/2023	06:31:26	मेष	गुरु	मिथु	11:45:05	बुध 12/11/2016
शनि 04/06/2026	28:21:58	कर्क	शुक्र	मीन	01:15:16	केतु 22/12/2017
बुध 22/12/2028	20:21:06	मेष	शनि	वृष	14:41:27	शुक्र 20/02/2021
केतु 09/01/2030	19:21:44	कर्क व	राहु व	वृष	29:30:29	सूर्य 02/02/2022
शुक्र 09/01/2033	19:21:44	मक व	केतु व	वृश्चि	29:30:29	चन्द्र 04/09/2023
सूर्य 04/12/2033	22:20:28	मक व	हर्ष	कुंभ	01:59:30	मंगल 13/10/2024
चन्द्र 05/06/2035	09:47:44	मक व	नेप	मक	15:49:59	राहु 20/08/2027
मंगल 22/06/2036	14:29:48	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	23:40:10	गुरु 02/03/2030

लग्न-चलित

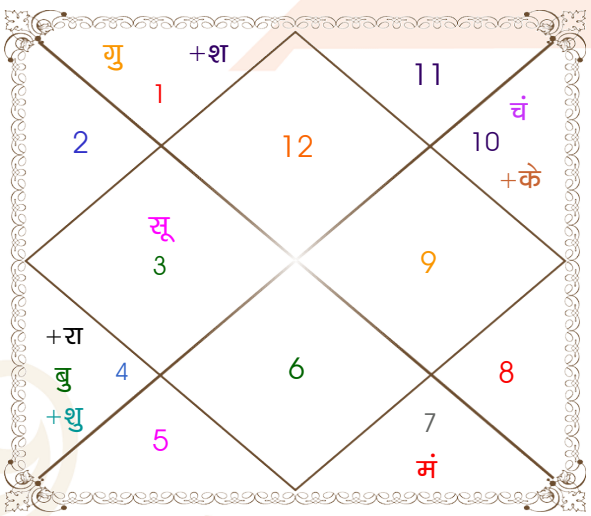

लग्न-चलित

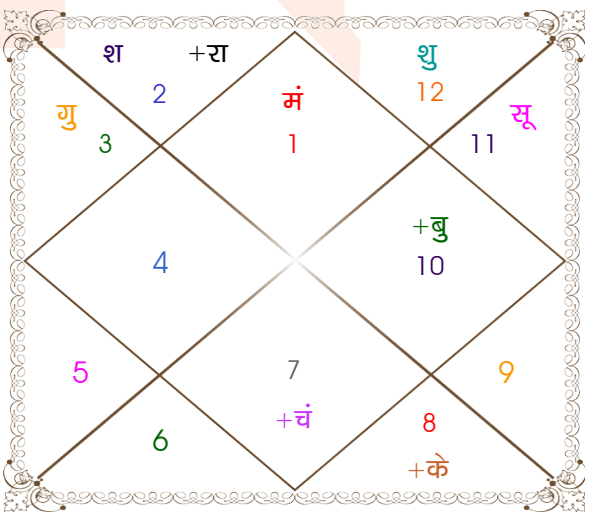

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	नकुल	व्याघ्र	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मकर	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	17.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

श्रपजर्मी का वर्ग सिंह है तथा ज्तनचजप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार श्रपजर्मी और ज्तनचजप का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

श्रपजर्मी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

ज्तनचजप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ज्तनचजप कि कुण्डली में प्रथम भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

श्रपजर्मी तथा ज्तनचजप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।